**Theme: Leading Good Governance in Schools**


# Dr Santosh Kumar Chamola

In-Charge Principal
PM SHRI Atal Utkrisht Government Inter College
Mundakhera Kalan Laksar
Haridwar, Uttarakhand
Email id: aguicmundakherakalan@gmail.com


## विद्यालय में सुशासन का नेतृत्व से बेहतर कल की ओर अग्रसर : अटल उत्कृष्ट राजकीय इण्टर कालेज, मुण्डाखेड़ा कला


**सारांश :** अध्ययन का शीर्षक हरिद्वार जनपद के लक्सर विकासखण्ड के ग्रामीण परिवेश में स्थित राजकीय इण्टर कालेज, मुण्डाखेड़ा कला के शैक्षणिक एवं गुणात्मक प्रगति के विषय में एक तुलनात्मक अध्ययन है। इसके अन्तर्गत विगत वर्षों में संस्थाध्यक्ष एवं संकाय सदस्यों के समन्वयन से किस प्रकार विद्यालय के अकादमिक एवं प्रशासनिक वातावरण में परिवर्तन आ रहा है। चूंकि परिवर्तन एक सतत् गतिमान प्रक्रिया है अतः इसका तत्काल परिणाम सम्भव नहीं ऐसी दशा में दर्शनीय बदलाव तथा अन्य विधियों यथा साक्षात्कार, व्यक्तिगत वार्तालाप के माध्यम से इसे देखा जा सकता है।

निष्कर्षतः विद्यालय के संस्थाध्यक्ष के कुशल नेतृत्व एवं संकाय सदस्यों के परस्पर सक्रिय सहयोग से पीएम श्री अटल उत्कृष्ट राजकीय इण्टर कालेज, मुण्डाखेड़ा कला, लक्सर अपने पुराने वैभव एवं समृद्धि को पुनः प्राप्त करने की ओर अग्रसर है।

**की–वर्ड : कुशल नेतृत्व, सामाजिक निगमित दायित्व, त्रिस्तरीय प्रबंधन, अव्यवय।**


**प्रस्तावना :** किसी लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए समूह को संगठित करना नेतृत्व कहलाता है। यह किसी व्यक्ति की क्षमता है कि वह किसी संगठन, समाज या समेल के सदस्यों को प्रभावित कर उनका मार्गदर्शन कर सके।

किसी भी संस्थान अथवा संगठन के विकास एवं प्रबंधन में कुशल एवं प्रभावी नेतृत्व का महत्वपूर्ण योगदान होता है। विद्यालय के मूलभूत परिवर्तन एवं विद्यालय विकास एवं प्रबंधन में संस्थाध्यक्ष का कुशल नेतृत्व एवं परस्पर समन्वयन नितांत आवश्यक है।

**अध्ययन क्षेत्र का परिचय :** उत्तराखण्ड राज्य के पर्वतपदीय क्षेत्र में स्थित हरिद्वार जनपद के दक्षिणी भाग में लक्सर तहसील एवं विकासखण्ड मुख्यालय से 4 किलोमीटर की दूरी पर लक्सर–रायसी–बालावाली मार्ग पर मुण्डाखेड़ा खुर्द से 1 किलोमीटर की दूरी पर पीएम श्री अटल उत्कृष्ट राजकीय इण्टर कॉलेज, मुण्डाखेड़ा कला स्थित है। इसकी अक्षांशीय विस्तार $29^0 44' 56''$ उत्तरी अक्षांश, $78^0 01' 26''$ पूर्वी देशान्तर तथा समुद्र तल से ऊँचाई 256.50 मीटर है। लक्सर क्षेत्र में गर्मियों में औसत उच्च तापमान (40 डिग्री या 104 फे॰) सर्दियों में औसत उच्च तापमान(22 डिग्री या 71.6 फे॰) जबकि औसत वार्षिक वर्षा : 250 से 300 मि.मी. है। यहां उपोष्ण कटिबंधीय जलवायु पाई जाती है।

पीएमश्री अटल उत्कृष्ट राजकीय इण्टर कालेज, मुण्डाखेड़ा कला, लक्सर विकासखण्ड के ग्रामीण क्षेत्र के मुण्डाखेड़ा कला संकुल में सम्मिलित एक प्रतिष्ठित राजकीय इण्टर कालेज है। जो कि खण्डंजा से मुण्डाखेड़ा गांव को जाने वाली पक्की सड़क पर स्थित है। मुण्डाखेड़ा गांव में वर्ष 1948 में राजकीय प्राथमिक विद्यालय की स्थापना हुई। कालांतर में वर्ष 1967–68 में इसी गॉव में जूनियर हाई स्कूल संचालित किया जाने लगा। मुण्डाखेड़ा ग्रामसभा के गणमान्य नागरिकों श्री नकली राम, मा॰ श्यामलाल, श्री आशाराम, श्री रामकिशन, डा॰ नारायण सिंह एवं प्रधान श्री योगेन्द्रपाल सिंह तथा अन्य जागरूक लोगों ने यहां पर इस विद्यालय परिसर में जूनियर हाईस्कूल के नवीन भवन निर्माण में अपना अमूल्य सहयोग प्रदान किया। तत्पश्चात इन्होनें तत्कालीन उत्तराखण्ड सरकार के शिक्षा मंत्री श्री नरेन्द्र सिंह भण्डारी के कर कमलों से वर्ष 2004 में विद्यालय को हाईस्कूल तक उच्चीकृत करवाया एवं इसके मुख्य भवन का दिनांक 3 अगस्त, 2004 को श्री नरेन्द्र सिंह भण्डारी जी से उद्घाटन करवाया। वर्ष 2010 में राज्य सरकार द्वारा इस विद्यालय को आदर्श राजकीय इण्टर कालेज के रूप में चयनित किया गया।

वर्तमान में यहां इण्टर स्तर पर कला संकाय में हिन्दी, अंग्रेजी, कम्प्यूटर विज्ञान(आई॰टी॰), भूगोल, अर्थशास्त्र तथा राजनीति विज्ञान संचालित हैं जबकि विज्ञान संकाय में हिन्दी, अंग्रेजी, कम्प्यूटर विज्ञान(आई॰टी॰), जीव विज्ञान, रसायन विज्ञान एवं भौतिकी विषय संचालित हैं।

विद्यालय का सेवित क्षेत्र जिसमें निकटवर्ती गांव खडंजा कुतुबपुर, मुण्डाखेड़ा कला, बिजापुर, मुण्डाखेड़ा खुर्द, अकोड़ा कला, अकोड़ा खुर्द, जैतपुर, ओसपुर पुराना आदि के छात्र–छात्राएं अध्ययनरत हैं।

राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी योजना अटल उत्कृष्ट विद्यालय योजना के अन्तर्गत विद्यालय को वर्ष 2021 में अटल उत्कृष्ट राजकीय इण्टर कालेज के रूप में केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, नई दिल्ली से मान्यता प्रदान की गई तथा यह लक्सर क्षेत्र का सी.बी.एस.ई. से मान्यता प्राप्त प्रथम राजकीय इण्टर कालेज बना। वर्ष 2024 के फरवरी माह में विद्यालय को पीएम श्री योजना के विद्यालय के रूप में चयनित किया गया।

वर्ष 2022 में 31 जनवरी, 2022 को विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती बिमला देवी की सेवानिवृति के उपरान्त नए संस्थाध्यक्ष ने विद्यालय के प्रधानाचार्य के रूप में विद्यालय का प्रभार सम्भाला। तदुपरान्त संस्थाध्यक्ष ने सर्वप्रथम सेवित क्षेत्र के गणमान्य व्यक्तियों, स्थानीय जन प्रतिनिधियों, शिक्षाविदों, विद्यालय के समस्त संकाय सदस्यों सामूहिक सहयोग से विद्यालय के कुशल संचालन एवं गौरव को पुनःस्थापित करने की अपील की। विभिन्न स्तर पर बैठक आहूत कर प्रगति एवं सुधार के लिए आवश्यक सुझाव आमंत्रित किये गए। जैसा कि विदित ही है कि परिवर्तन एक सतत् प्रक्रिया है तथा बदलाव के लक्षण धीरे–धीरे परिलक्षित होने लगते हैं। संस्थाध्यक्ष के कुशल नेतृत्व में विद्यालय में अनेक महत्वपूर्ण परिवर्तन दृष्टिगोचर हो रहे हैं तथा विद्यालय अपने पुराने गौरव को प्राप्त करने की ओर अग्रसर है।

**विद्यालय में विगत वर्षों में किये गए शैक्षिक एवं संरचनात्मक विकास सम्बंधी कार्य :**

- विद्यालय परिसर में विद्या की देवी **मॉ सरस्वती की प्रतिमा स्थापित** की गई।
- विद्यालय परिसर में **प्रार्थना हेतु मंच का निर्माण** करवाया गया।
- जिला योजना से विद्यालय में **एक अतिरिक्त कक्षा–कक्ष का निर्माण** कराया गया।
- विद्यालय में लघु **बोटेनिकल गार्डन** स्थापित किया गया है, जिसका रख–रखाव यूथ एवं इको क्लब के सदस्यों द्वारा किया जाता है।
- जिला पंचायत सदस्य द्वारा **विद्यालय परिसर में टाइल बिछाने का कार्य** करवाया गया।
- ग्राम प्रधान द्वारा **आजादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम** के अन्तर्गत शिलापट्ट लगवाया गया।
- UREDA के माध्यम से विद्यालय में **32 न्यून ऊर्जा चालित पंखे लगवाए गए** ताकि विद्यालय के विद्युत भार को कम किया जा सके।

- विद्यालय में नीति आयोग के द्वारा स्वीकृत धनराशि के माध्यम से **विद्यालय में 2 के.वी. सोलर पैनल सहित स्मार्ट क्लास की स्थापना** की गई। जिसमें प्रोजेक्टर तकनीक के माध्यम से शिक्षण कार्य करवाया जा रहा है।
- विद्यालय में सुरक्षा की दृष्टिगत संस्थाध्यक्ष महोदय द्वारा संस्था के **सुरक्षा की दृष्टि से CCTV लगाए** गए हैं।
- वर्ष 2023–24 में सी.बी.एस.ई. बोर्ड से प्रथम बार बोर्ड परीक्षा में कक्षा 10 एवं 12 के छात्र–छात्राओं ने परीक्षा उत्तीर्ण की। विद्यालय में कक्षा 10 का परिणाम 93.7 प्रतिशत रहा जबकि कक्षा 12 में कला एवं विज्ञान संकाय में क्रमशः 61 प्रतिशत तथा 90 प्रतिशत रहा।

- इसके अतिरिक्त विभाग द्वारा प्रदत्त निर्देशानुसार विविध कार्यक्रमों यथा परीक्षा पे चर्चा, एन.एम.एम.एस. छात्रवृति, विज्ञान क्विज, विज्ञान महोत्सव, कला उत्सव, चित्रकला प्रतियोगिता, निबंध लेखन, वाद–विवाद प्रतियोगिता, भाषण प्रतियोगिता, वीरगाथा कार्यक्रम, स्विफ्ट चैट पर दैनिक उपस्थिति, सुव्यवस्थित मतदाता जागरूकता कार्यक्रम(SVEEP), करियर मार्गदर्शन कार्यशाला, राष्ट्रीय बालिका किशोरी स्वास्थ्य कार्यक्रम(RBSK), बाल–सखा कार्यक्रम, राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस, बाल अधिकार संरक्षण कार्यक्रम, PARAKH साप्ताहिक अभ्यास एवं अन्य राष्ट्रीय पर्व आदि कार्यक्रमों में छात्र–छात्राओं तथा संकाय सदस्यों द्वारा सक्रियता से प्रतिभाग किया जाता है।
- विद्यालय के संकाय सदस्य द्वारा दिनांक 14 से 23 मार्च 2023 को Coding and Artificial Intelligence विषय पर आयोजित प्रशिक्षण में **मुख्य प्रशिक्षक**(Master Trainer) के रूप में सभी प्रतिभागियों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया।
- शैक्षिक भ्रमण कार्यक्रम के अन्तर्गत विद्यालय के छात्र–छात्राओं को उच्च शिक्षा के प्रसिद्ध शैक्षिक संस्थान **आई. आई.टी. रूड़की के रसायन विज्ञान एवं भौतिकी विभाग का भ्रमण** एवं अवलोकन करवाया गया।
- विगत वर्षों में सम्पन्न **त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव, विधानसभा चुनाव–2022, लोकसभा चुनाव–2024 एवं नागर निकाय चुनाव–2025 के कुशल सम्पादन में मास्टर ट्रेनर एवं मतदान कार्मिक के रूप में सहयोग** प्रदान किया जाता है।
- विद्यालय के संकाय सदस्य द्वारा **स्कूल हेल्थ कार्यक्रम के अन्तर्गत पांच दिवसीय मास्टर ट्रेनर प्रशिक्षण कार्यक्रम** में प्रतिभाग किया गया।
- विकासखण्ड स्तर पर राज्य के पायलेट प्रोग्राम आनन्दम पाठ्यचर्या के संचालन हेतु विद्यालय के संकाय सदस्य को **जिला संदर्भ समूह (DRG-Anandam)** में नामित किया गया है।

नेतृत्व एक ऐसी टीम बनाने और बनाए रखने की क्षमता है जो अपने प्रतिस्पर्धियों से बेहतर प्रदर्शन करे। नेतृत्व में संकाय सदस्यों एवं कर्मचारियों का मार्गदर्शन और प्रोत्साहन करना, लक्ष्य निर्धारित करना और उन्हें हासिल करना शामिल है। कुशल नेतृत्व में समस्याओं को बड़ा होने से पहले ही हल करना भी शामिल है। नेतृत्व में अनियोजित न होकर विचारपूर्वक अनुयायियों के व्यहारों को निश्चित दिशा में मोड़ना शामिल है। विद्यालय प्रबंधन और नेतृत्व का तात्पर्य है कि

विद्यालय को वांछित शैक्षिक नीतियों के अनुसार संचालित करना और अधिगम प्रक्रिया को प्रभावित करने वाली गतिविधियों का प्रबंधन करना। कुशल विद्यालय प्रबंधन और नेतृत्व से जुड़े महत्वपूर्ण तथ्य निम्न हैं :

- विद्यालय प्रबंधन में विद्यालय के सभी आयामों का ध्यान रखा जाता है, जैसे नीतियॉ, सामग्री, मानव संसाधन, कार्यक्रम, गतिविधियॉ, उपकरण आदि।
- विद्यालय प्रबंधन में सभी अव्यवयों यथा जनप्रतिनिधि, सामाजिक संस्थान, अभिभावकों, शिक्षकों और छात्र–छात्राओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना सम्मिलित है।
- विद्यालय में नेतृत्व का महत्व इसलिए ज्यादा है क्योंकि यह शिक्षकों के साथ मजबूत सम्बंधों को बढ़ावा देता है जिससे छात्र–छात्राओं के नतीजे बेहतर होते हैं और सभ्य समाज का निर्माण होता है।
- विद्यालय में नेतृत्व और प्रबंधन को बेहतर बनाने के लिए विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आरम्भ किये गए है। जिसका उद्देश्य विद्यालय प्रमुखों की क्षमता को बढ़ाना है।

**नेतृत्व और प्रबंधन के आयाम**

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप पंचकोष सिद्वान्त के अनुसार कुशल नेतृत्व प्रबंधन के लिए संस्थाध्यक्ष द्वारा किये जा रहे कार्य निम्न प्रकार हैं :

- **त्रिस्तरीय प्रबंधन (विद्यालय–अभिभावक–समाज)** के समन्वयन से विद्यालय में गुणात्मक सुधार के लिए प्रयास।
- नियमित रूप से विद्यालय प्रबंधन समिति, अभिभावक शिक्षक संघ एवं अन्य समितियों की **बैठक का आयोजन तथा गुणवत्ता संवर्द्धन पर व्यापक चर्चा।**
- संकाय सदस्यों के **रूचि एवं शैक्षणिक तथा प्रशासनिक अनुभव के आधार पर** कार्य का आवंटन एवं विभिन्न समितियों का गठन किया गया है तथा निश्चित समय अंतराल पर समितियों द्वारा किये जा रहे कार्यों की समीक्षा एवं प्रोत्साहन।
- किसी भी सदस्य अथवा प्रभारी को **कार्य करने की पूरी स्वतंत्रता** तथा एक कुशल श्रोता के रूप में पहले तथ्यों को जानना, तदुपरान्त गतिविधियों के क्रियान्वयन हेतु निर्देशित करना।
- विगत माह में संस्थाध्यक्ष महोदय ने राज्य शैक्षिक एवं अनुसंधान परिषद, उत्तराखण्ड (SIEMAT) के तत्वावधान में **विद्यालय के प्रभावी प्रबंधन एवं कुशल नेतृत्व के गुण संवर्द्धन के लिए पांच दिवसीय प्रशिक्षण** भी प्राप्त किया।

- समस्त संकाय सदस्यों को अपने निर्णय में सम्मिलित कर **सामूहिक नेतृत्व की भावना विकसित करना।**
- विभिन्न अकादमिक गतिविधियों एवं सांस्कृतिक व सामाजिक कार्यक्रमों में **संकाय सदस्यों तथा कार्मिकों का उत्साहवर्द्धन एवं प्रोत्साहन करना।**
- स्वयं अपने कार्य के प्रति जिम्मेदारी का निर्वहन कर विद्यालय परिवार के अन्य सदस्यों के लिए **सजीव उदाहरण प्रस्तुत करना।**

आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि दीर्घ अवधि में संस्थाध्यक्ष के कुशल नेतृत्व एवं प्रबंधन तथा संकाय सदस्यों एवं अन्य गणमान्य व्यक्तियों के सहयोग से विद्यालय नई ऊचाइयों को छूते हुए विद्यालयी शिक्षा के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित करेगा।

**"लोगों की वृद्धि और विकास नेतृत्व का सर्वोच्च आह्वान है।"**

**– हार्वे एस. फायरस्टोन**

**अकादमिक वर्ष 2024–25 में सम्पादित गतिविधियॉं**

- संस्थाध्यक्ष की कुशल नेतृत्व एवं संकाय सदस्यों के सकारात्मक सहयोग के उपरान्त संस्था में गुणात्मक सुधार एवं बदलाव के परिणामस्वरूप विद्यालय का चयन **पीएम श्री विद्यालय** के रूप में हुआ।
- ONGC के माध्यम से सामाजिक निगमित दायित्व(CSR) के अन्तर्गत KYAN all in one की स्थापना। जिसके माध्यम से छात्र–छात्राओं को विभिन्न विषयों में शिक्षण कार्य करवाया जा रहा है।
- सम्पर्क फाउण्डेशन, हरिद्वार द्वारा 43 इंच का स्मार्ट टी.वी. लगाया गया जिसमें जूनियर कक्षाओं में गणित, विज्ञान एवं अंग्रेजी विषय का सी.बी.एस.ई. आधारित ई–कान्टेंट इंस्टाल कर शिक्षण कार्य करवाया जा रहा है।
- विद्यालय के संकाय सदस्य द्वारा Pm evidya चैनल हेतु कक्षा 10 में सामाजिक विज्ञान विषय में ई–कान्टेंट तैयार किया गया है।

- शौर्य दिवस के अवसर पर जनपद स्तर पर आयोजित निबंध प्रतियोगिता में छात्र नमन सैनी, कक्षा 10 ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।
- विद्यालय के संकाय सदस्य ने लोकसभा सामान्य निर्वाचन एवं मंगलौर विधानसभा उपचुनाव 2024 तथा नागर निकाय सामान्य निर्वाचन 2025 के दौरान मुख्य प्रशिक्षक(Master Trainer) के रूप में प्रशिक्षण प्रदान किया।
- विद्यालय के संकाय सदस्य द्वारा विद्या समीक्षा केन्द्र कार्यक्रम(VSK) के ब्लाक नोडल के रूप में परख परीक्षा, दैनिक आनलाईन उपस्थिति के कार्य में समन्वयन किया जाता है।
- संकाय सदस्य द्वारा शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित आनलाईन कम्प्यूटर प्रशिक्षण कार्यक्रम यथा (MOOCS-ICT) का प्रशिक्षण प्राप्त कर किया है।
- विद्यालय के छात्र–छात्राओं ने विकासखण्ड स्तर पर आयोजित संस्कृत प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।
- विद्यालय के छात्र–छात्राओं ने विकासखण्ड स्तर पर आयोजित विज्ञान क्विज प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया।
- विद्यालय के संकाय सदस्य द्वारा ब्लाक विज्ञान समन्वयक(Block Science Co-ordinator) के रूप में विभिन्न स्तर पर विज्ञान क्विज, विज्ञान महोत्सव, इंस्पायर अवार्ड प्रतियोगिता आदि के आयोजन में सहयोग किया जाता है।

- विद्यालय के संकाय सदस्य द्वारा लोकसभा सामान्य निर्वाचन एवं मंगलौर विधानसभा उपचुनाव 2024 के दौरान जनपद स्तरीय स्वीप टीम सदस्य (Member SVEEP Team) के रूप में मतदाताओं को निष्पक्ष एवं स्वतंत्र मतदान हेतु प्रेरित किया।
- रात्रि में सुरक्षा के दृष्टिगत दिनांक 16 अगस्त, 2024 को ग्राम प्रधान के माध्यम से विद्यालय परिसर में तीन सौर ऊर्जा चालित स्ट्रीट लाईट लगवाई गई।
- दिनांक 23 अगस्त, 2024 को प्रथम राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित किए गए तथा विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजेता एवं उपविजेता छात्र–छात्राओं को सम्मानित किया गया।
- विद्यालय के संकाय सदस्य द्वारा डा॰ आर॰एस॰ टोलिया प्रशासनिक अकादमी, नैनीताल से डी॰ओ॰टी॰(Design Of Training) का प्रशिक्षण प्राप्त किया।
- खेलकूद में उपलब्धि :
  - राज्य स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता सीनियर बालक वर्ग में ऋतिक ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।
  - राज्य स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता जूनियर बालक वर्ग में प्रियांशु एवं रूपन ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।
  - राज्य स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता सीनियर बालिका वर्ग में कशिश ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।
  - राज्य स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता जूनियर बालिका वर्ग में वैशाली ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

- विद्यालय के संकाय सदस्य द्वारा जनपद स्तर पर वीरगाथा–4.0 कार्यक्रम के सफल संचालन में कार्यक्रम नोडल के रूप में कार्य किया गया।
- विद्यालय के संकाय सदस्य द्वारा जनपद स्तर पर गंगा उत्सव 2024 कार्यक्रम के सफल संचालन में जिला स्तर पर सह–नोडल के रूप में कार्य किया गया।
- विद्यालय में सामाजिक विज्ञान विषय के अध्यापक राज्य संदर्भ समूह(SRG-Social Science) को सदस्य नामित किया गया।
- विद्यालय के छात्र–छात्राओं के लिए 50 सेट फर्नीचर की व्यवस्था की गई है।
- समग्र शिक्षा के अन्तर्गत विद्यालय में नवीन वोकेशनल लैब का निर्माण कार्य करवाया जा रहा है।
- विद्यालय में चार सदन गठित किये गए हैं तथा प्रत्येक सप्ताह सदनवार प्रार्थना एवं अन्य अकादमिक गतिविधियॉ संचालित की जाती हैं। जिससे प्रत्येक छात्र–छात्रा में नेतृत्व की भावना विकसित होती है तथा मंच के प्रति भय

से मुक्ति मिलती है।

- पीएमश्री योजना के अन्तर्गत विद्यालय में प्राप्त धनराशि का मदानुसार यथा करियर काउंसलिंग, आत्मसुरक्षा कार्यक्रम, बैण्ड सेट, संगीत वाद्य यंत्र, योग प्रशिक्षण, आई.डी. कार्ड निर्माण आदि मदों में नियमानुसार व्यय किया जा रहा है।
- संस्थाध्यक्ष महोदय द्वारा विद्यालय स्टाफ एवं स्थानीय लोगों के साथ मिलकर विद्यालय में गुणात्मक सुधार हेतु वे सामाजिक निगमित दायित्व(सी॰एस॰आर॰) के अन्तर्गत विभिन्न कार्पोरेट क्षेत्र से सम्पर्क कर विद्यालय में मूलभूत सुविधाएं जुटाने के लिए निरंतर प्रयास किये जा रहे हैं।

## भविष्य की कार्ययोजना

- ❖ बैण्ड वादन का प्रशिक्षण कार्य करवाना।
- ❖ विद्यालय में Spoken English कोर्स का प्रभावी संचालन करवाना।
- ❖ संकाय सदस्यों के अकादमिक एवं शैक्षिक कुशलता में वृद्धि के लिए प्रेरित करना।
- ❖ शैक्षिक वातावरण एवं संरचनात्मक स्तर में गुणात्मक सुधार ताकि छात्र–छात्राएं स्वच्छंद

वातावरण में शिक्षा ग्रहण करें।

- ❖ छात्र–छात्राएं नवीन तकनीक यथा आई.सी.टी., सोशल नेटवर्क आदि से भिज्ञ एवं पारंगत हों।
- ❖ छात्र–छात्राओं में कुशल नेतृत्व की भावना का विकास हो।

अंततः सभी छात्र–छात्राओं का सर्वांगीण विकास हो।

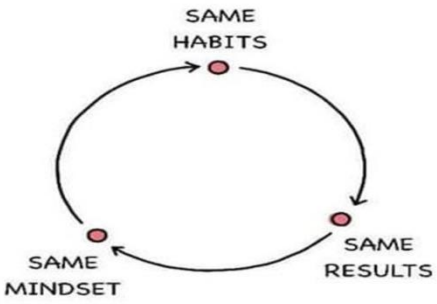


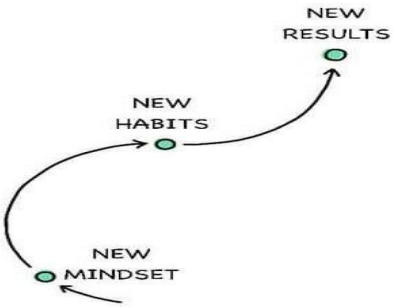


**नजरिये में बदलाव से परिवर्तन सम्भव है**

यद्यपि शैक्षिक गुणवत्ता में सुधार निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है किन्तु आरम्भिक प्रयासों से ही परिलक्षित होता है कि विद्यालय इसी प्रकार प्रगति करने के उपरांत पुनः अपने पुराने वैभव एवं प्रतिष्ठा को प्राप्त करेगा। बस जरूरत है तो केवल कुशल नेतृत्व एवं सामूहिक सहयोग की।

*  *  *